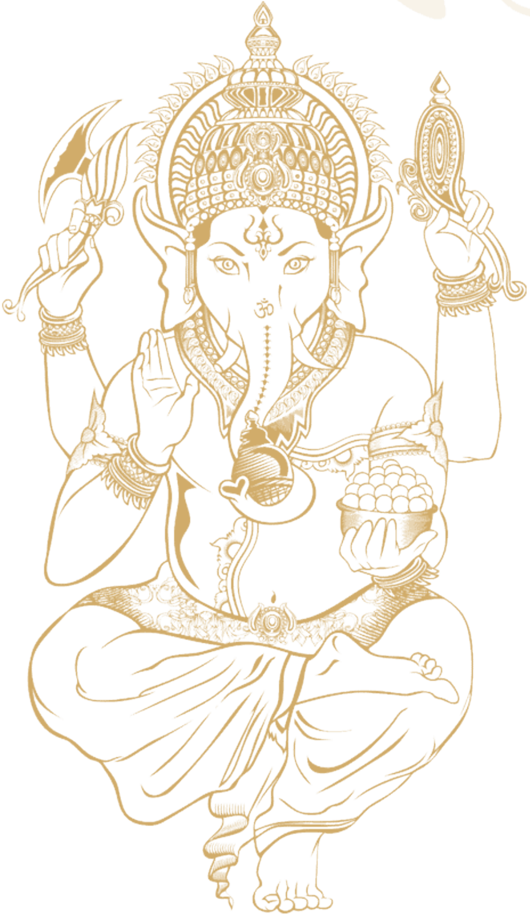

Ms. Ruchika

19 Sep 1996

12:21 AM

Simla

Model: web-freekundliweb

Order No: 119767606

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/09/1996**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:21:19 घंटे**
इष्ट	45:35:01 घटी
स्थान	**Simla**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:59:59 घंटे
वेलान्तर	00:05:53 घंटे
साम्पातिक काल	23:51:51 घंटे
सूर्योदय	06:07:18 घंटे
सूर्यास्त	18:23:00 घंटे
दिनमान	12:15:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:18:45 कन्या
लग्न के अंश	17:54:26 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	विष्कुम्भ
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:54:26	314:49:02	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	02:18:45	00:58:36	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	10:50:48	13:26:42	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	नीच राशि
मंगल			कर्क	11:45:24	00:37:00	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	नीच राशि
बुध	व	अ	सिंह	29:49:26	01:00:22	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु			धनु	14:22:21	00:02:52	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			कर्क	18:46:50	01:06:35	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	10:46:33	00:04:36	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	सम राशि
राहु			कन्या	14:13:35	00:00:51	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:13:35	00:00:51	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:00:53	00:01:01	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:15:04	00:00:34	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:56:54	00:01:17	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मीन	03:57:48	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:43

लग्न-चलित

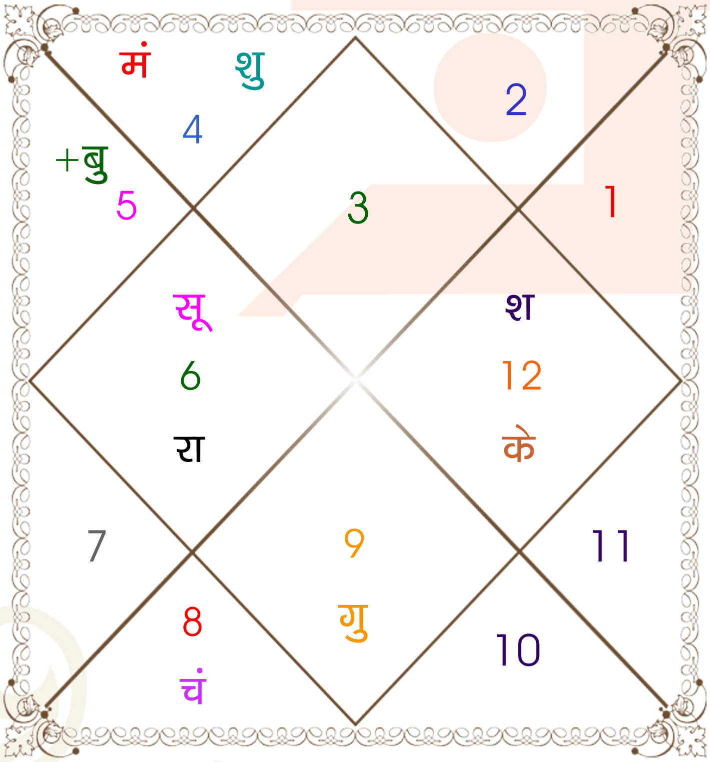

चन्द्र कुंडली

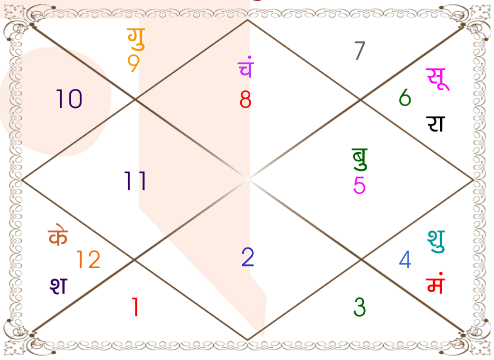

नवमांश कुंडली

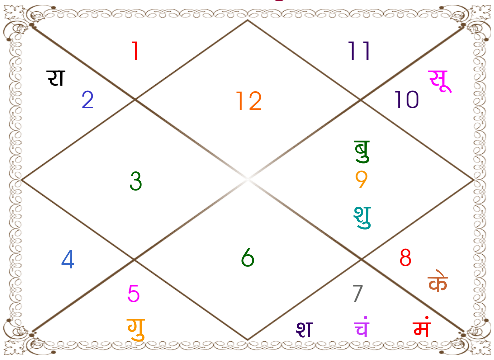

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 3 मास 15 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
19/09/1996	04/01/2005	04/01/2022	04/01/2029	04/01/2049
04/01/2005	04/01/2022	04/01/2029	04/01/2049	04/01/2055
00/00/0000	बुध 02/06/2007	केतु 02/06/2022	शुक्र 05/05/2032	सूर्य 23/04/2049
00/00/0000	केतु 30/05/2008	शुक्र 02/08/2023	सूर्य 06/05/2033	चंद्र 23/10/2049
00/00/0000	शुक्र 30/03/2011	सूर्य 08/12/2023	चंद्र 04/01/2035	मंगल 28/02/2050
19/09/1996	सूर्य 04/02/2012	चंद्र 08/07/2024	मंगल 05/03/2036	राहु 23/01/2051
सूर्य 07/12/1996	चंद्र 05/07/2013	मंगल 04/12/2024	राहु 06/03/2039	गुरु 11/11/2051
चंद्र 09/07/1998	मंगल 03/07/2014	राहु 23/12/2025	गुरु 04/11/2041	शनि 23/10/2052
मंगल 17/08/1999	राहु 19/01/2017	गुरु 29/11/2026	शनि 04/01/2045	बुध 29/08/2053
राहु 23/06/2002	गुरु 27/04/2019	शनि 08/01/2028	बुध 05/11/2047	केतु 04/01/2054
गुरु 04/01/2005	शनि 04/01/2022	बुध 04/01/2029	केतु 04/01/2049	शुक्र 04/01/2055

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
04/01/2055	04/01/2065	05/01/2072	04/01/2090	05/01/2106
04/01/2065	05/01/2072	04/01/2090	05/01/2106	00/00/0000
चंद्र 05/11/2055	मंगल 02/06/2065	राहु 17/09/2074	गुरु 22/02/2092	शनि 08/01/2109
मंगल 05/06/2056	राहु 20/06/2066	गुरु 09/02/2077	शनि 05/09/2094	बुध 18/09/2111
राहु 05/12/2057	गुरु 27/05/2067	शनि 17/12/2079	बुध 10/12/2096	केतु 27/10/2112
गुरु 06/04/2059	शनि 05/07/2068	बुध 06/07/2082	केतु 16/11/2097	शुक्र 27/12/2115
शनि 04/11/2060	बुध 02/07/2069	केतु 24/07/2083	शुक्र 18/07/2100	सूर्य 20/09/2116
बुध 05/04/2062	केतु 28/11/2069	शुक्र 24/07/2086	सूर्य 07/05/2101	00/00/0000
केतु 04/11/2062	शुक्र 29/01/2071	सूर्य 18/06/2087	चंद्र 06/09/2102	00/00/0000
शुक्र 05/07/2064	सूर्य 05/06/2071	चंद्र 16/12/2088	मंगल 12/08/2103	00/00/0000
सूर्य 04/01/2065	चंद्र 05/01/2072	मंगल 04/01/2090	राहु 05/01/2106	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 2 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्बेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशाग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।